

उदीरणा स्त्री. (तत्.) जैन अपक्व कर्मों का पाचन, कर्मफल की व्यक्तता, वि. यह जैन दर्शन की एक विशिष्ट प्रक्रिया है।

उदीर्ण वि. (तत्.) 1. उत्पन्न किया हुआ 2. उत्थित 3. घमंडी 4. उत्तेजित 5. उदार।

उदुंबर पुं. (तत्.) 1. वट प्रजाति का एक विशालकाय घना वृक्ष जिसमें तने पर ही फल लगते हैं और फल अंजीर के फलों जैसे और दानेदार बीजों से युक्त होते हैं, गूलर का वृक्ष 2. गूलर का फल।

उदोत पुं. (तत्.) 1. प्रकाश, शोभा 2. वृद्धि, उदय, उन्नति प्रयो. जन राजवंत, जगन जोगवंत। तिनको उदोत, केहि भाँति होत- रामचंद्रिका।

उद्गत वि. (तत्.) 1. ऊपर आया हुआ 2. उत्पन्न 3. बाहर निकला हुआ।

उद्गता पुं. (तत्.) एक विषम वार्षिक छंद।

उद्गति स्त्री (तत्.) 1. आरोह, ऊपर जाना 2. उदय 3. वमन।

उद्गम पुं. (तत्.) 1. आविर्भाव, जन्म 2. उत्पत्ति स्थान, निकास जैसे- नदी का उद्गम।

उद्गम-केंद्र पुं. (तत्.) प्रारंभ या उत्पत्ति का केंद्रीय बिंदु जैसे- भूकंप का उद्गम केंद्र, स्रोत केंद्र।

उद्गमन पुं. (तत्.) उदय होना, प्रकट होना।

उद्गलन पुं. (तत्.) कृषि. जुगाली करने वाले पशुओं की बिना पचे भोजन को आमाशय से वापस मुँह में लाने की क्रिया। regurgitation

उद्गाता पुं. (तत्.) यज्ञ में साम गान करने वाला ऋत्विक् तु. होता, अध्वर्यु, ब्रह्मा।

उद्गाथा स्त्री. (तत्.) आर्या छंद का एक भेद।

उद्गार पुं. (तत्.) 1. अधीरता या आवेश के कारण अचानक व्यक्त हुए (मन के) विचार या भाव, मन की बात 3. उबाल, उफान, वमन, थूक, कफ 4. डकार 5. भूवि. ज्वालामुखी के फटने से लावा, राख आदि का बाहर निकलना।

उद्गारी वि. (तत्.) 1. उद्गार करने वाला, उच्चारण करने वाला 2. उगलने वाला 3. डकार लेने वाला 4. बाहर निकालने वाला।

उद्गिरण पुं. (तत्.) 1. उद्गार की क्रिया 2. उगलना 3. डकार लेना 4. थूकना 5. उच्चारण 6. गले की घरघराहट।

उद्गीति स्त्री. (तत्.) आर्या छंद का एक भेद विशेष।

उद्गीथ पुं. (तत्.) 1. ऊँकार, प्रणव 2. सामवेद के गायन की एक विशिष्ट विधा 3. सामवेद का उत्तरार्ध 4. सामवेद का गायन वि. 1. सामवेद के गायन में सात अवयव होते हैं प्रस्ताव, उद्गीथ, प्रतिहार, उपद्रव, निधन, हिंकार और प्रणय 2. यज्ञ में सस्वर उद्गीथ गायक को 'उद्गाता' कहते हैं।

उद्गीर्ण वि. (तत्.) उगला हुआ, (बाहर) निकाला हुआ

उद्गेय वि. (तत्.) 1. गाए जाने योग्य 2. जिसका गायन किया जाना हो।

उद्ग्रहण पुं. (तत्.) दे. उगाही।

उद्गीव वि. (तत्.) जिसकी गर्दन ऊपर उठी हो, उत्कंठ।

उद्घाटक वि. (तत्.) उद्घाटन करने वाला, विमोचन करने वाला, खोलने वाला।

उद्घाटन पुं. (तत्.) 1. किसी विशिष्ट व्यक्ति द्वारा किसी भवन, संस्था, समारोह आदि का औपचारिक रूप से आरंभ किया जाना 2. खोलना, उघाड़ना 3. प्रकटन, प्रकाश 4. ऊपर उठाना 5. पर्दा हटाना।

उद्घाटित वि. (तत्.) 1. औपचारिक रूप से आरंभ किया हुआ 2. खोला हुआ, उघाड़ा हुआ 3. प्रकाशित, प्रकटित 4. उठाया हुआ, उत्तोलित।

उद्घाती वि. (तत्.) 1. आघात करने वाला 2. चोट, धक्का देने वाला।